बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

# शमूएल, परमेश्वर का बालक-सेवक

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Janie Forest
रूपान्तरकार: Lyn Doerksen
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2015 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हन्ना, एक अच्छी महिला थी और एक अच्छे आदमी एल्काना से शादी की। वे दोनों परमेश्वर की पूजा की और दूसरों के लिए दया पात्र रहे। लेकिन हन्ना के जीवन में कुछ कमी रह गयी थी। वह एक पुत्र चाहती थी। ओह, वह एक पुत्र चाहती थी, पर कैसे! वह इंतजार की, प्रार्थना की और आशा व्यक्त करती रही, और कुछ, थोड़ा और ... इंतजार कर रही थी। कोई पुत्र उत्पन्न नहीं हुआ!

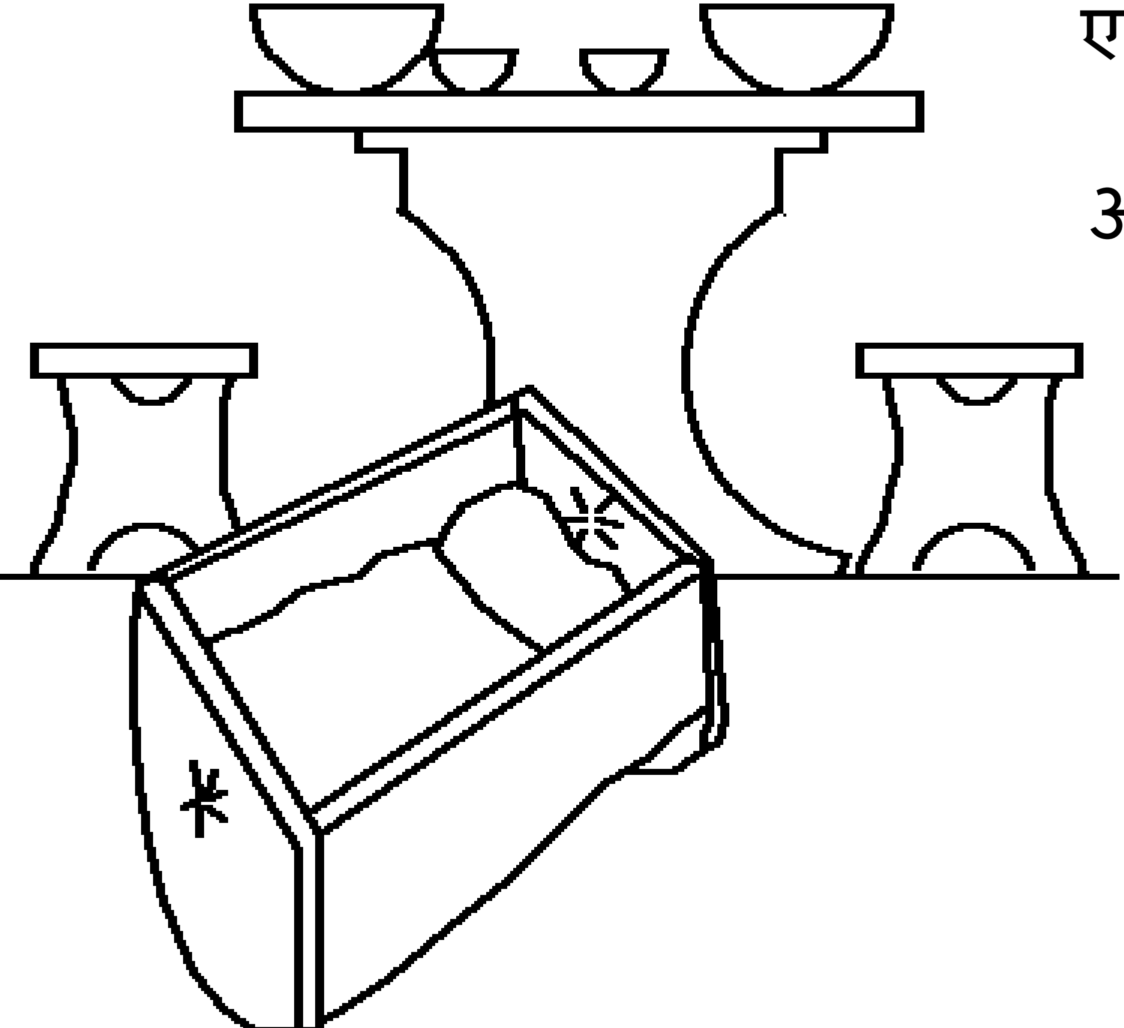

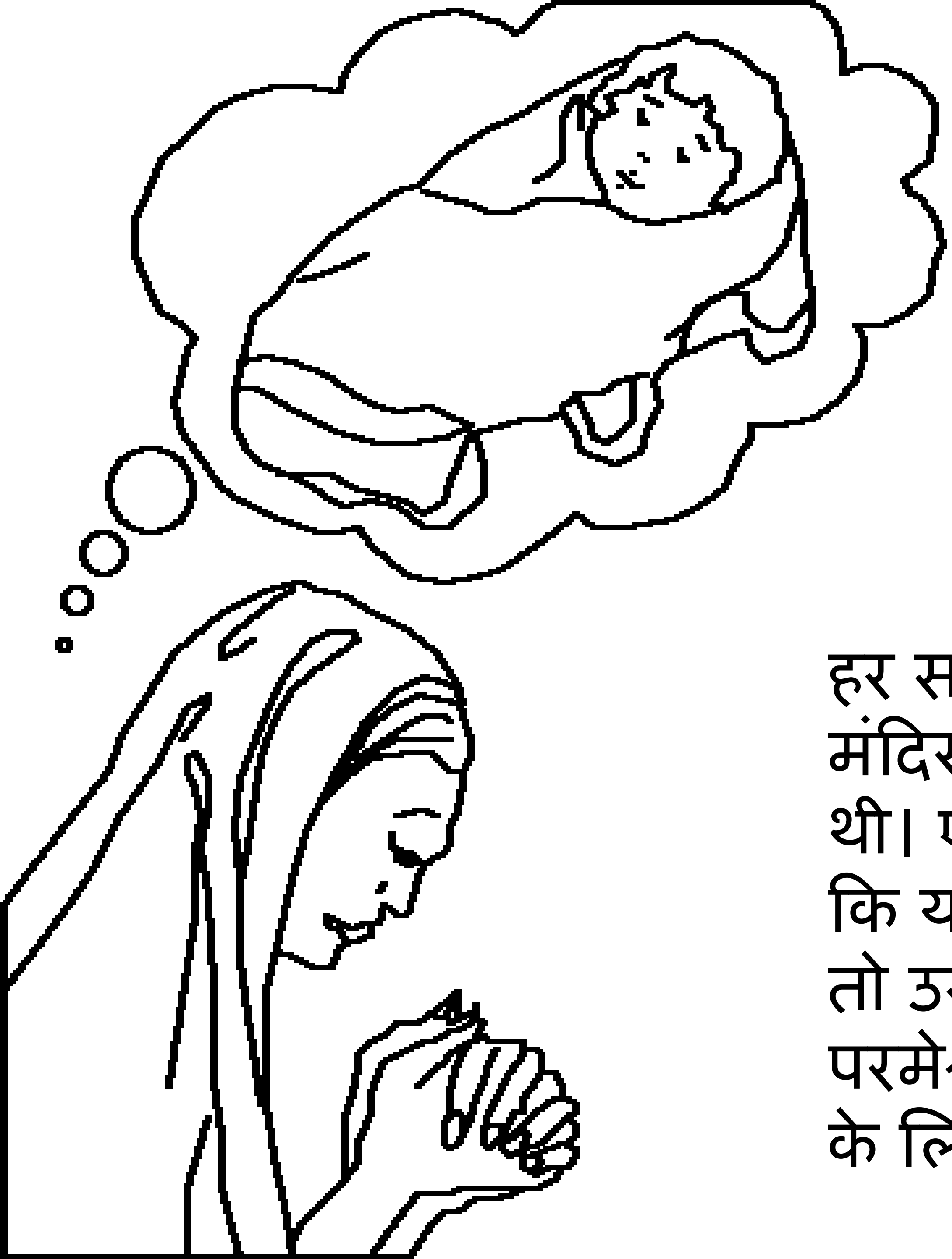

हर साल, हन्ना परमेश्वर के
मंदिर में पूजा करने जाया करती
थी। एक साल उसने प्रार्थना की
कि यदि वह उसे एक बेटा देगा,
तो उस कड़के को सर्वदा के लिए
परमेश्वर का सेवक होने
के लिए दे दूँगी।

बुजुर्ग एली पुरोहित
हन्ना को प्रार्थना करते
देखा। एली ने सोचा कि,
हन्ना शराब के नशे में है
क्योंकि हन्ना के होंठ तो
हिल रहे थे लेकिन कोई
आवाज नहीं आ
रही थी। एली ने
हन्ना को डांटा!

परन्तु हन्ना ने उसकी प्रार्थना और एक पुत्र को परमेश्वर के लिए समर्पित करने वाले वायदे के बारे में एली को बताया। "शांति से पूर्ण हो, जाओ" एली ने आशीषित किया। "इस्राएल का परमेश्वर आप ही तुम्हारी प्रार्थना को स्वीकार करेगा।" एली के शब्दों ने हन्ना को बड़ी आशा दिए।

जल्द ही बड़े आनन्द ने हन्ना के दिल को भर दिया। "यहोवा ने उसे याद किया" और उसकी प्रार्थना का जबाब दिया। हन्ना और एल्काना का पुत्र हुवा और उन्होंने उसे शमूएल नाम दिया (जिसका अर्थ है "परमेश्वर  ने सुन ली") लेकिन क्या हन्ना को यहोवा और उससे किये वह वायदा याद था?

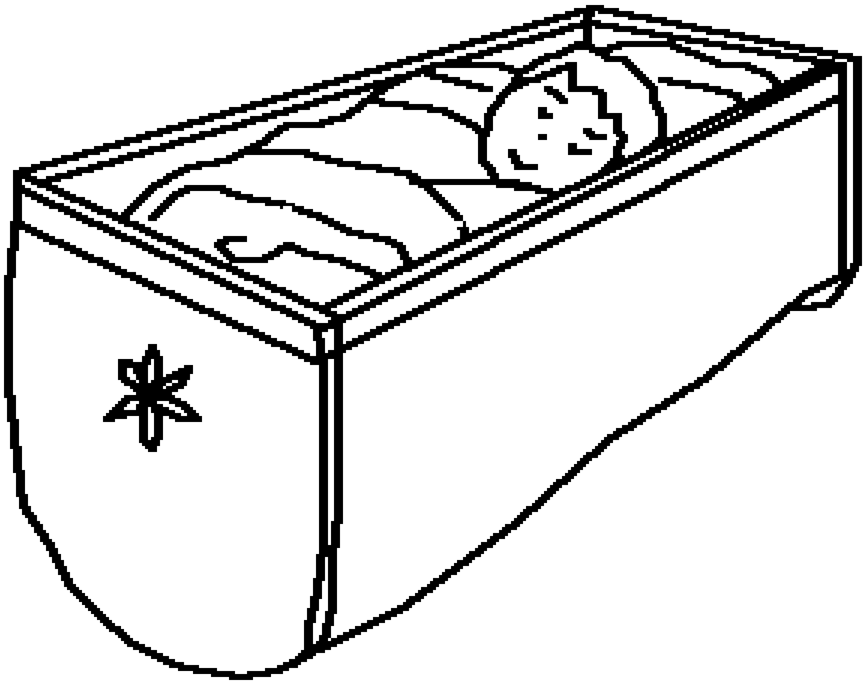

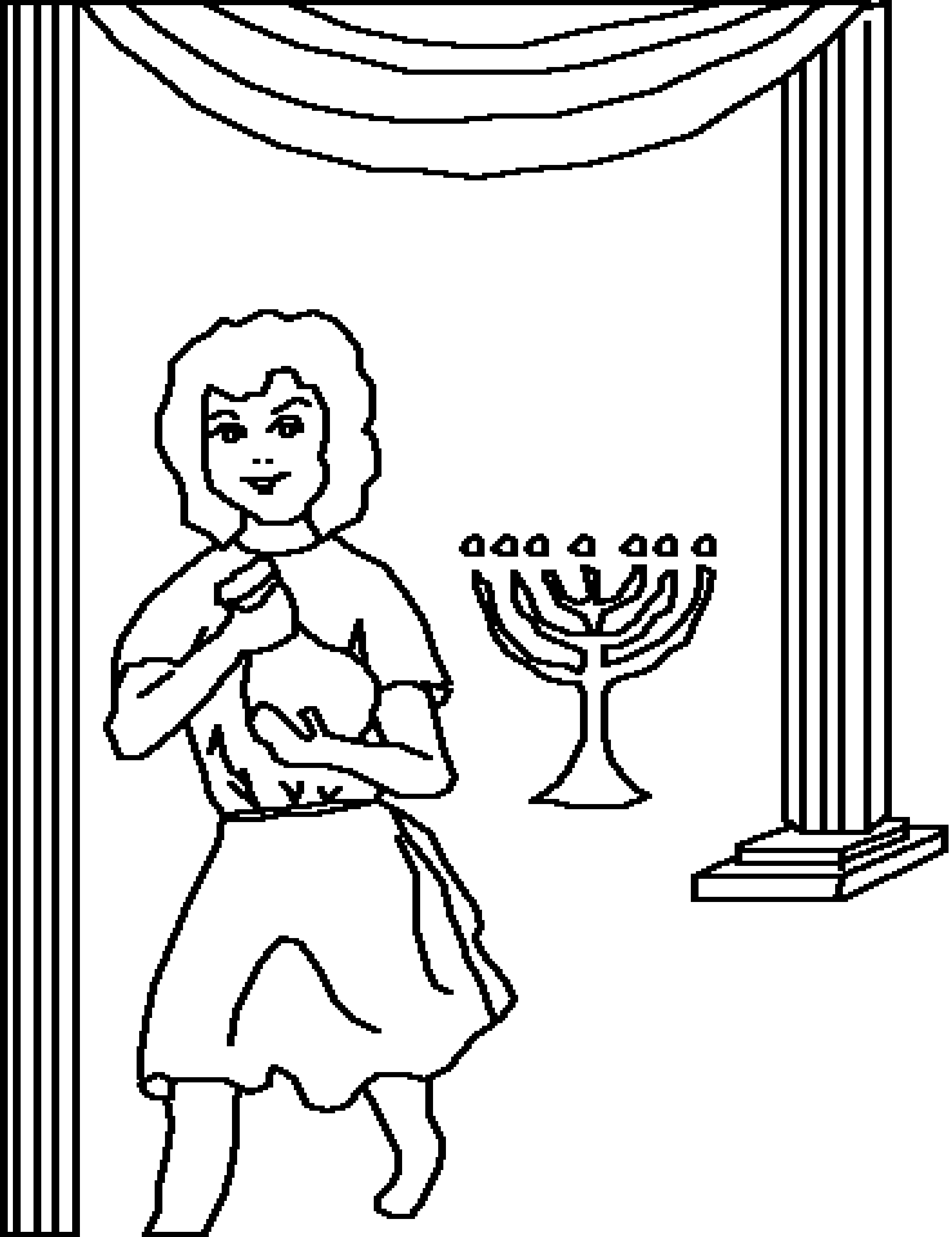

हन्ना ने हर साल मंदिर जाना बंद कर दिया। ओह, प्रियों! क्या वह परमेश्वर से किये वायदे को तोड़ रही थी? नहीं, हन्ना इंतज़ार थी कि शमूएल निवास पर रहने के लिए और परमेश्वर की सेवा में एली की मदद करने के लिए बड़ा हो जाये। फिर उसने उसे मंदिर लेकर आयी।

परमेश्वर ने हन्ना की इस महान सच्चाई को सम्मानित किया। शमूएल के बाद, परमेश्वर ने उसे तीन बेटे और दो बेटियां दी। हर साल, हन्ना परमेश्वर की पूजा करने के लिए मंदिर जाती - और शमूएल के लिए बनाये नये बागे को लाती थी।

केवल शमूएल ही एली का सहायक नहीं था। एली के पुत्र, होप्नी और पीनहास भी वहां काम करते थे। लेकिन वे अपने दुष्ट कामों से परमेश्वर का अपमान करते थे, यहाँ तक की उनके पिता एली के विनती करने पर भी वे नहीं बदले। एली को उन्हें मंदिर में काम करने से निकाल देना चाहिए था। पर एली ने ऐसा नहीं किया।

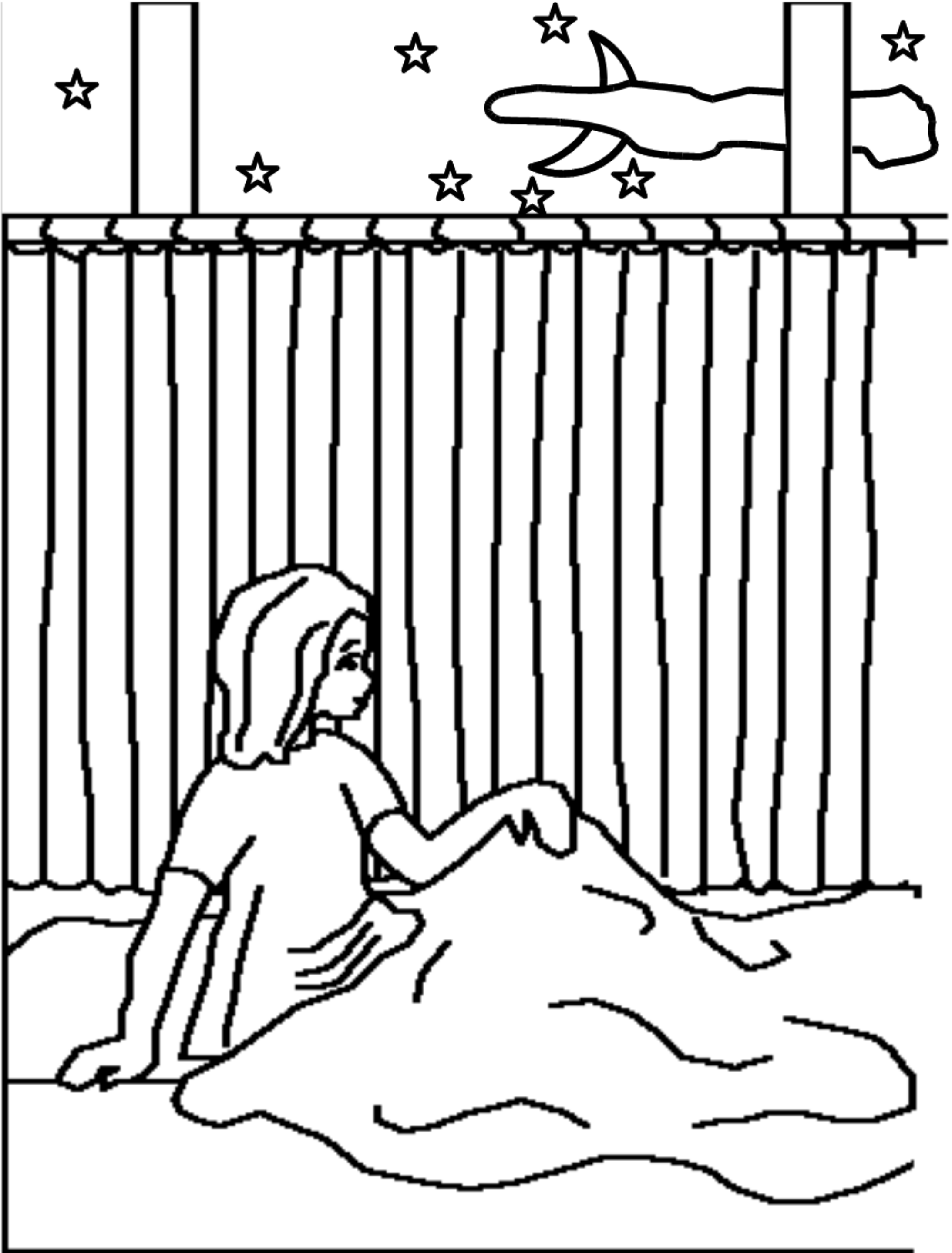

एक रात, शमूएल को
एक आवाज पुकारते
हुए सुनाई दी। बालक
शमूएल ने यह सोचा
कि एली बुला रहा है,
"मैं यहाँ हूँ" उसने कहा।
एली ने उत्तर दिया,
"मैंने नहीं बुलाया।"
ऐसा तीन बार हुआ।
तब एली जान गया की
परमेश्वर शमूएल से
बात करना चाहता है।

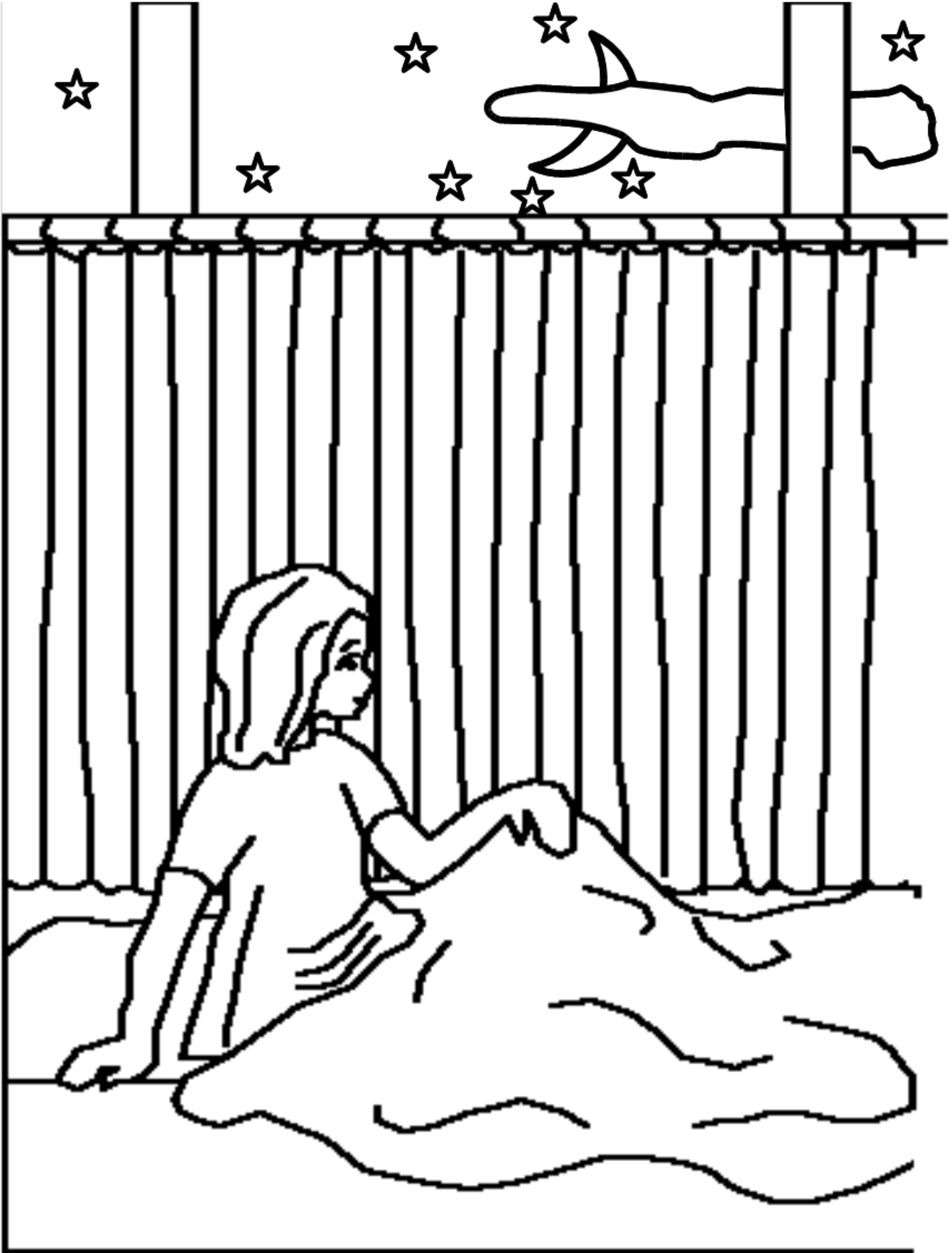

एली ने शमूएल को बताया, यदि वह फिर से बुलाये तो कहना, 'तेरा दास सुन रहा है' परमेश्वर मुझसे बातें करो। और परमेश्वर ने फिर उसे बुलाया, 'आपका दास सुन रहा है, परमेश्वर ने शमूएल को एक बहुत महत्वपूर्ण संदेश दिया।

सुबह में एली ने शमूएल से कहा, वह पूछा "क्या है जो यहोवा ने तुम से कहा है?" बालक शमूएल ने उसे सब कुछ बता दिया। यह एक भयावह संदेश था - परमेश्वर होप्नी और पीनहास की दुष्टता के कारण एली के पूरे परिवार को नष्ट करने जा रहा था।

परमेश्वर की चेतावनी सच हो गयी। पलिश्तियों के साथ एक युद्ध के दौरान, एली के दोनों बुरे बेटे इस्राएल की सेना के आगे परमेश्वर के वाचा के वाचा के सन्दूक का नेतृत्व कर रहे थे। दुश्मनो ने वाचा के सन्दूक पर कब्जा कर लिया और कई इस्राएलियों के साथ होप्नी और पीनहास को मार डाला। जब एली यह सुना वह अपने आसन से गिर गया, उसकी गर्दन टूट गई, और उसी दिन उसकी भी मौत हो गयी।

परमेश्वर के वाचा का सन्दूक पलिश्तियों पर मुसीबत लाया। उन्होंने वाचा के सन्दूक को दागोन, उनके झूठे देवता के मन्दिर में रख दिया। सुबह में, दागोन की मूर्ति अपने चेहरे के बल गिरी पड़ी थी। पलिश्तियों ने दागोन को वापस ऊपर उठा दिया - लेकिन अगली सुबह वह फिर नीचे पड़ा था। इस बार दागोन कई टुकड़ों में टूट गया था।

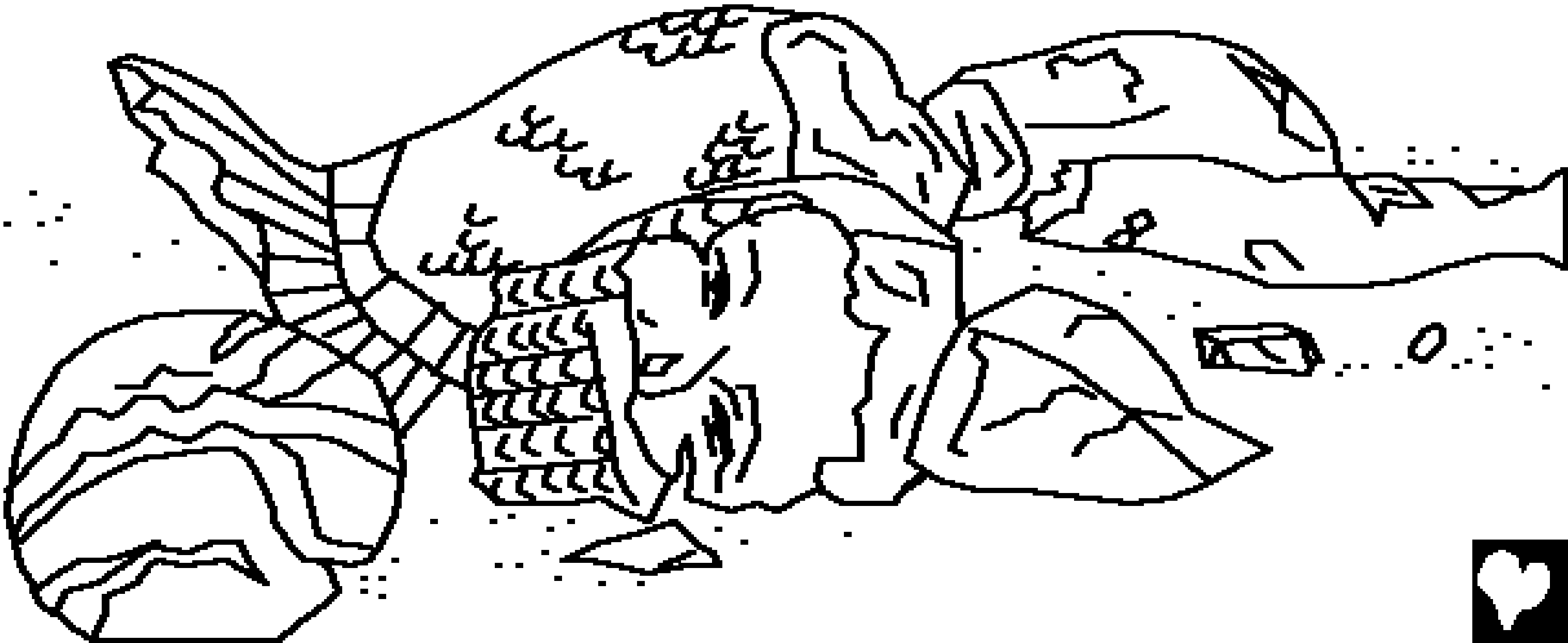

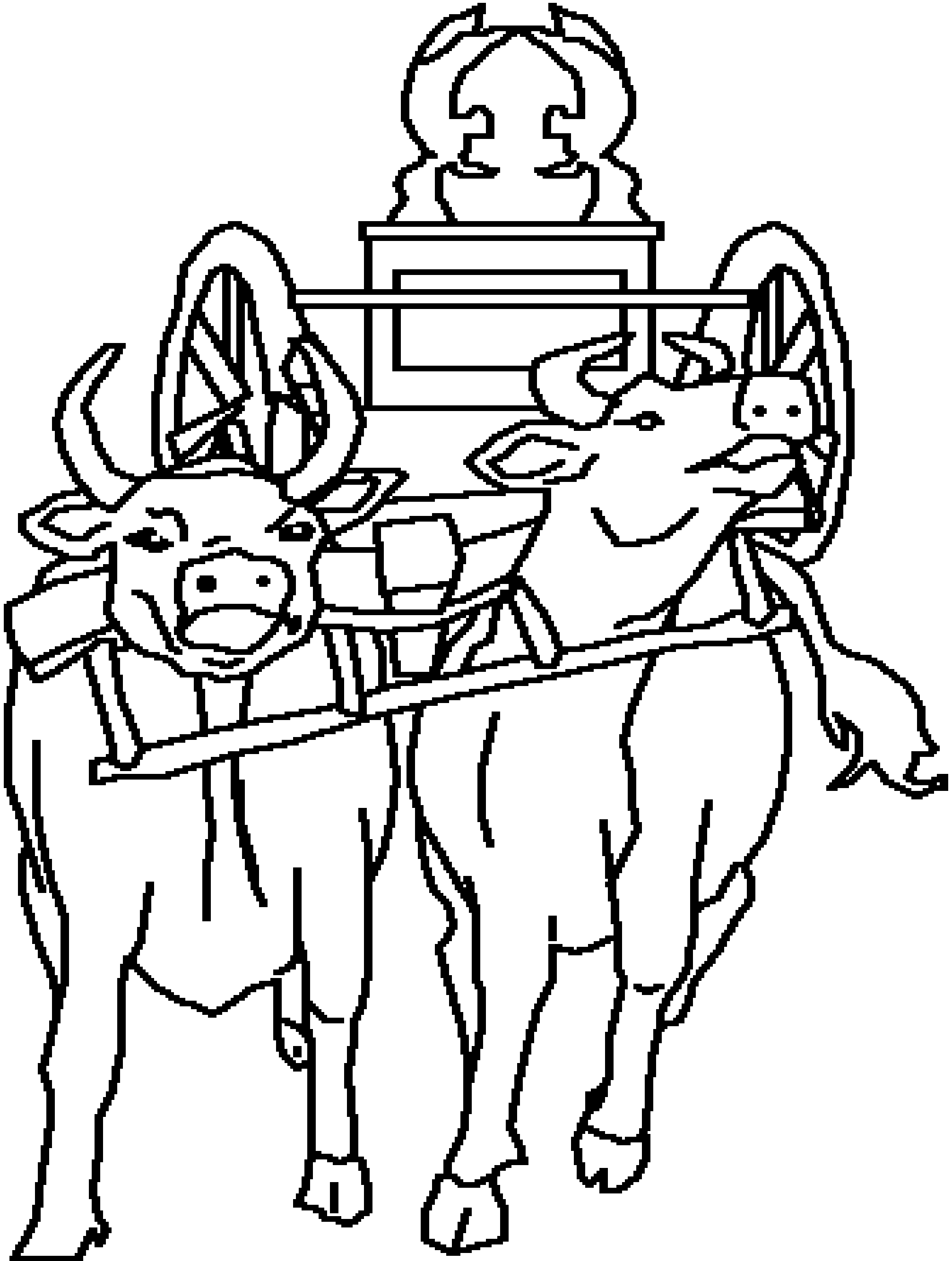

पलिश्तियों के बीच बीमारी और मृत्यु फैल गयी। यह देखने के लिए की परमेश्वर ही उन्हें दंडित किया है, पलिश्तियों ने बैल गाड़ी में सवार सन्दूक को दो गायों की मदद से भेज दिया। परन्तु वे गायों के 'बछड़ों को रख लिये, "यदि ये गायें इस्राएल तक चली जाती है, और उनके बछड़ों को छोड़ देती हैं तो हम जानेंगे की परमेश्वर ने यह सब किया है। और गायें चली गयीं!

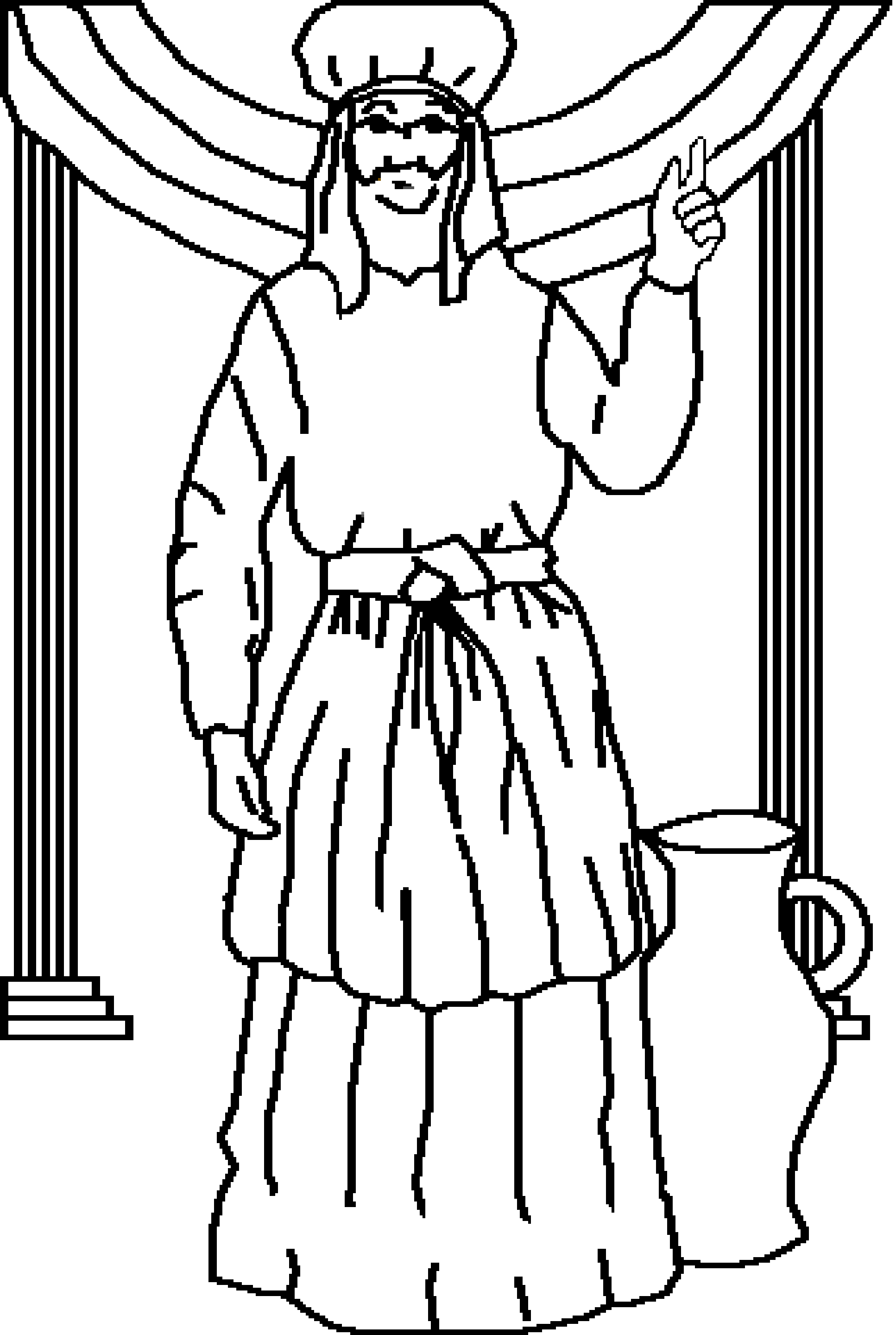

तब फिर शमूएल जो अब एक बड़ा आदमी था, इस्राएल के सभी लोगों से बात की। "यदि तुम सब अपने पूरे मन से यहोवा के पास वापस लौट आओ तो वह तुम सबको ... उन पलिश्तियों के हाथ से निकालेगा।" लोगों ने परमेश्वर के वफादार नबी की बात मानी। और शमूएल के सभी दिनो में प्रभु का हाथ पलिश्तियों के खिलाफ था।

# शमूएल, परमेश्वर का बालक-सेवक

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

1 शमूएल 1-7

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16